Social Code

1. PRESERVE AND PROMOTE OUR LANGUAGE;

- By conversing in Kashmiri with our children and encouraging them to learn, speak and interact in Kashmiri.
- By interacting and speaking with out fellow community brethren in Kashmiri.

2. PROTECT OUR IDENTITY;

- By imbibing a sense of pride in our unique social, cultural and spiritual tradition.
- By maintaining our age-old social marital order and promoting and encouraging marriages within the fold.

3. UPHOLD OUR TRADITIONS;

- By following the indigenous scientific Lunar calender in observing rituals, festivals, special occasions etc.
- By celebrating birthday's, rituals, religious occasions and unique Kashmiri Pandit festivals.

4. STRENGTHEN OUR BROTHERHOOD;

- By expanding our social circle and
- By caring for each other; Mutual care is the only ray of hope for our Survival in Exile.

5. STRENGTHEN SOCIO-CULTURAL INSTITUTIONS;

- Physically, intellectually and financially, as these are the pillars of

SATISAR FOUNDATION

Post Box No. 118, Head Post Office (Jammu) J&K

Call : 9419113414, 9419623511, 0191-2593948

e-mail :Satisar 2000@yahoo.com

Visit us at www.Satisar.org

High-Tech # 9906256577, 9419131650

SATISAR FOUNDATION

GLOBAL WORKSHOP ON

"श्री इन्द्राक्षी"

on 11th July, 08 at 7. 30 p.m.

Let us arouse energies for the betterment of man kind.

उद्यमो भैरवः

For Private Circulation - Not for sale

SAMUHIK INDRAKSHI RECITATION PROGRAMME

Traditionally Indrasakshi Sotra has a special place in the pooja methodlogy of Kashmir and it has continuously been recited in every Kashmiri Pandit household from centuries together to please Mahamaya Durga Bhagwati. This mantra, if recited with a free mind, is capable of eradicating misries, disease, disappointment and despair of the Sadak. This is also known to open the vistas of spiritually of the "Sadak". The mantra mainly is a recitation in praise of Bhagwati in nine forms which incidentally also form the core "Kul Devis" of all Kashmiri Pandits, Surely, if the mantra is recited on a collective platform and at a single time world over, there is no reason why Mata Bhagwati would not be pleased and bless this hapless community and show it the path of righteousness and enable all of us to be in the service of mankind. This programme is also aimed at passing on the importance of "Indrakshi Stotra" to our children so that they recite it daily hereafter and be blessed.

SATISAR foundation has evolved a programme of a collective recitation of "Indrakshi Stotra" at a single point of time worldwide so that blessings of our 'Kul Devis' are invoked in a collective form and they lead us to light from the prevalent darkness and this community survives this onslaught.

Accordingly, for a collective recitation, the foundation requests every Kashmiri Pandit wherever he may be to spare some time on **11th July at 7.30 P.M.** sharp he should start reciting Indrakshi Stotra dasham (10 times). We would impress upon our community members the essence of time fixed is very essential to make this programme successful,

-Vidhwat Mandal

उों श्री गणेशाय नमः

शुक्ल पक्ष आषाढ नवमी शुक्रवार को **सायं 7.30 बजे 2008** को श्री गणेश जी का नाम उच्चारण करके इन्द्राक्षी का दशाम् (दस बार) प्रारम्भ करें (Reciting the Mantra 10 times)

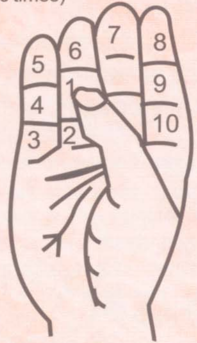

Japa and The Deity, whose mantra is recited, are identical.
Lord Shiva said to Parvati:

मन्त्रोमदप: वरानेन

O! Beauteous one, Mantra is My very form

- Kularnava

करन्यास करें (Purifying the Hand)

ऊँ लक्ष्मयै **अंगुष्ठाभ्यां** नमः

ऊँ भुवनेश्रवर्यै **तर्जनीभ्यां** नमः

ऊँ माहेश्वर्यै **मध्यमाभ्याम** नमः

ऊँ वज्रहस्तायै **अनामिकाभ्यां** नमः

ऊँ सहस्र नयनायै **कनिष्ठकाभ्यां** नमः

ऊँ इन्द्राक्ष्यै **करतल कर पृष्टाभ्यां** नमः

अंग न्यास नमः (Purifying the Body Limbs)

ऊँ लक्ष्म्यै **हृदयाय** स्वाहा

ऊँ भुवनश्वर्यै **शिरसे** स्वाहा

ऊँ माहेश्वर्यै **शिखायै** वषट्

ऊँ वज्रहस्तायै **कवचाय** हुम्

ऊँ सहस्त्रनयनायै **नैत्राभ्यां** वौषट्

ऊँ इन्द्राक्ष्यै **अस्त्राय** फट्

(जो व्यक्ति घर, मन्दिर अथवा सभा में बैठे हो वह पहले निम्नलिखित विधि का प्रयोग कर सकते हैं) जो व्यक्ति यात्रा में हो वे पृष्ट 7, 9, 10 व 11 पढ़े

(The People who may be at home,Templ or in a group can follow the following procedure)Those who may be in trave can recite only Page 7,9,10 & 11

1. धूप–दीप जलाएँ,
2. सब को तिलक लगाये
3. देवी के चित्र पर तिलक व पुष्प लगायें
4. जप के बाद नैवद्य सब में बांटे

एक थाली में किसी पात्र से पानी डालते हुए पढ़ें।

ओं अस्य श्री इन्द्राक्षी स्तोत्र मंत्रस्य, पुरंदर ऋषि अनुष्टुप छंद, श्री इन्द्राक्षी भगवती देवता भुवनेश्वरी शक्ति्, माहेश्वरी कीलकम्, गायत्री सावित्री सरस्वती कवचं आत्मनः वाड. गमय कार्यो उपार्जित **स्वदेशे उपद्रव निवार्णार्थ, सादकानां यस्मिन् देशे वसते आयुः आरोय, ऐश्वर्य प्राप्तार्थ श्री इन्द्राक्षी दैर्व्य संतोषणार्थं मनोकामनां सिद्धयार्थ पाठे विनियोग :**

ध्यानम्

ॐ इन्द्राक्षीं द्विभुजां देवीं पीत वस्त्र धरां शुभाम्।

वामे वज्र धरां सव्यहस्ते ऽभय वर प्रदाम्।।

सहस्र नेत्रां सूर्याभां नानालङ्.कार भूषिताम्।

प्रसन्न वदनां नित्याम् अप्सरो गण सेविताम्।

श्री दुर्गां सौम्य वदनां पाशाङ्.कुश धरां पराम्।

त्रैलोक्य मोहिनीं देवीं भवानीं प्रणमाम्यहम्।।

इन्द्वग्नि सूर्य नयनां पाशाङ्.कुश धरां पराम्।

द्विभुजां सिंह मध्यस्थां भजेऽहं अभयङ्.करीम्।।

YANTRA

गायत्री

शची पतये विद्महे, पाकशासनाय धीमहि
तन्नो इन्द्रः प्रचोदयात्।। (3 बार पढिए)।।

मंत्र :

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं
इन्द्राक्षी क्लीं श्रीं ह्रीं ऐं

इन्द्र उवाच

इन्द्राक्षी नाम सा देवी देवतैः समुदाहृता।
गौरी शाकम्भरी देवी दुर्गा नाम्नेति विश्रुता ।1।
कात्यायनी, महादेवी, चन्द्रघण्टा (चण्डघण्टा), महातपा।
गायत्री सा च सावित्री ब्रह्माणी ब्रह्म वादिनी ।2।
नारायणी भद्रकाली रूद्राणी कृष्णपिङ्.गला।
अग्निज्वाला रूौद्रमुखी कालरात्रीः तपस्विनी ।3।
मेघश्यामा सहस्त्राक्षी विष्णुमाया जलोदरी
महोदरी मुक्तकेशी घोररूपा महाबला ।4।
आनन्दा भद्रजानन्ता रोगहंत्री शिवप्रिया।
शिवदूती कराली च प्रत्यक्षा परमेश्वरी ।5।
इन्द्राणी चन्द्ररूपा (चेन्द्ररूपा) च इन्द्र शक्तिः परायणा।
महिषासुर संहर्त्री चामुण्डा गर्भदेवता ।6।

वाराही नारसिंही च भीमा भैरवनादिनी।
श्रुतिः स्मृतिः धृतिः मेधा विद्या लक्ष्मीः सरस्वती ।7।
अनन्ता विजया पूर्णा मनस्तोषा अऽपराजिता।
भवानी पार्वती दुर्गा हैमवत्य् अम्बिकाशिवा ।8।
सदा सम्मोहनी देवी सुन्दरी भुवनेश्वरी।
शिवा भवानी रुद्राणी शंकरार्ध शरीरिणी ।9।

सर्व मङ्.गल माङ्.गल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके।
शरण्ये =यम्बके गौरि नारायणि नमोस्तुते।
उों महाबले महोत्साहे महाभय विनाशिनि।
त्राहिमां देवि दुष्प्रेक्ष्ये शत्रूणां भयवर्द्धिनि।।

नैवेद्य के रूप में केवल किशमिश
और बदाम लायें। फिर नैवेद्य मंत्र पढे
और इसी को प्रसाद के रूप में बांटें।

हाथ में दो फूल लेकर साष्टांग प्रणाम करते हुए पढ़ें

आहवानं नैव जानामि नैव जानामि विसर्जनम्।
पूजां भागं न जानामि क्षम्यतां परमेश्वरिः।।
उभाभ्यां जानुभ्यां पाणिभ्यां शिरसा उरसा
वचसा मनसा नमस्कार करोमि नमः।

Price :Promotion & Propagation of Kashmiri Pandit Culture

फलश्रुतिः

एतैः नामपदैः दिव्यैः स्तुता शक्रेण धीमता
आयुरारोग्यम् ऐश्रवर्यं सुख सम्पति कारकम्
क्षयापस्मार कुष्टादि ताप ज्वर निवारकम्
शतमार्वतदैद्यस्तु मुच्यते व्याधि बन्धनात्
आर्वतयेत् सहस्रेण लभते वाछितं फलम्।
राजावश्यम् अवाप्नोति सत्यमेव न संशयः।।
लक्ष्यमेकं जपेद्यस्तु साक्षाद देवी स पश्यति।
त्रिकांल पठंत नित्यं धनधान्य च विविर्धनम्।।
विनाशाय तु रोगणाम अपमृत्यु हराय च।
राज्यार्थे लभते राज्यं धनार्थी विपुलं धनम्
इच्छाकाम तु कामार्थी धर्मार्थी धर्मम व्ययम।
विद्यार्थी लभते विद्यां मोक्षार्थी परमं पदम्।।
इन्द्रेण कथितं स्तोत्रं सत्यमेव न संशयः

Pleased by the chanting of these divine names. She will bestow long life, health wealth and avoid untimed death. This will cure tuberculosis, epilipsy, leprosy (skin diseases) and high fever, will avoid fear of thieves and animals and will cure cold fever. One Hundered repetitions will free you from curse of Devi. Thousand repetitions will fulfil all the wishes.

Repetition of this Indrakshi is greatly beneficial and increases your life span, cures all diseases and will avoid untimely death.

Jyotishachyara & Karam Kand Shiromani
Sh. Kashi Nath Handoo
(Shiv Nagar)

Draw this Mandal on आषढ़ सप्तमी (9th July, 2008) at the enterance of your Home or Room on Ground
Fill 7 colours in it which represent the 7 rays of sun

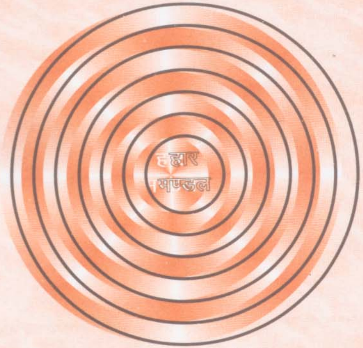

इसी दिन श्री राम जी, का गर्भ में निवास हुआ था और ठीक नौ महीने बाद रामनवमी के दिन प्रादुर्भाव हुआ। आषाढ सप्तमी, अष्ठमी व नवमी शुकभाषणी माता शारिका का विभिन्न स्वरूपा के प्राकट्य दिवस है।